प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहले हवें कि अब मेड इन इंडिया उत्पादन पर अमरीका क टेरिफ घटि के अठारह फीसदी हो जाई। उहां के अमरीका क राष्ट्रपति डानॅल्ड ट्रंप के साथे बतियावले के बादे सोसल मीडिया पोस्ट में ई घोसणा कइलीं। एगो रिपोर्ट–

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका अपने मित्र राष्ट्रपति ट्रंप से बात करना बेहद सुखद रहा। उन्होंने कहा कि जब विश्व की दो बडी अर्थव्यवस्थाएं और दो बडे लोकतंत्र मिलकर काम करते हैं तो इससे जनता को लाभ होता है और आपसी लाभकारी सहयोग के अपार अवसर उत्पन्न होते हैं। प्रधानमंत्री ने मेड इन इंडिया उत्पादों पर अमरीका का टेरिफ कम होने की घोषणा के लिए भारत की एक अरब चालीस करोड़ जनता की तरफ से राष्ट्रपति ट्रंप के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का नेतृत्व वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत ट्रंप के शांति प्रयासों का पूरा समर्थन करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे द्विपक्षीय भागीदारी को अभूतपूर्व ऊंचाई पर ले जाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के साथ काम करने के लिए उत्सुक है। समाचार कक्ष से प्रेम चन्द्र गुप्ता।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु लखनऊ में आयोजित फार्मा कॉन्क्लेव क सुभारम्भ कइलें। कार्यक्रम में केन्द्रीय स्वास्थ्य अउर परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा वर्चुअल जरिया से सामिल भइलें। वैस्विक निवेसकन आ उद्यमियन क येह महासंगम के सम्बोधित करत मुख्यमंत्री श्री योगी कहलें कि उत्तर प्रदेश ट्रस्ट, ट्रांसफार्मेशन आ टाइमली डिलेवरी क रोल मॉडल के रूप में आजु निवेस क एगो बढ़ियां गंतव्य बनि के उभरल हौ। उहां के कहलीं कि हमनी के लखनऊ में एगो बढ़ियां वर्ल्ड क्लास फार्मा इंस्टीच्यूट बनवले के दिसा में आगे बढ़ि रहल हईं।

उत्तर प्रदेश अपने हर एक निवेशक को ट्रिपल–एस की गारंटी देती है, जिसमें सेफ्टी है, स्टेबिलिटी है और स्पीड है, इसकी पूरी गारंटी उत्तर प्रदेश आपको यहां पर उपलब्ध करवाता है।

कार्यक्रम के वर्चुअल जरिया से सम्बोधित करत केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा कहलें कि पछिला कुछु बरिस में भारत क स्वास्थ्य व्यवस्था क बिस्तार अभूतपूर्व रहल।

मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया, विकसित भारत @2047 जैसे अभियानों ने मैन्युफैक्चरिंग नवाचार और मानव विकास को नई दिशा दी है। जी20 की अध्यक्षता और वैक्सिन कुटनीति में भारत की भूमिका ने हमारी वैश्विक जिम्मेदारी और क्षमता को स्पष्ट रूप से दर्शाया है और दुनिया ने पहचाना है। इस परिवर्तन के सबसे स्पष्ट झलक स्वास्थ और फार्मास्युटिकल क्षेत्र में देखने को मिलती है।

येह मौका पर औषधीय, चिकित्सा उपकरण आ सम्बद्ध क्षेत्रन से जुड़ल कई गो एमओयू क अदानों–प्रदान भइल।

****

प्रदेस क उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य केन्द्रीय बजट–दुइ हजार छब्बीस–सत्ताइस के विकसित भारत क रोडमैप बतवले हवें। प्रयागराज में आजु केन्द्रीय बजट के ले के आयोजित प्रेस वार्ता में श्री मौर्य कहलें कि ई बजट गांव, गरीब, महिला ससक्तिकरण, पर्यटन के प्रोत्साहन आ किसानन के आय में बढ़ोत्तरी के धियान में रखि के तइयार कइल गइल बा। उहां के बजट के इतिहासिक बतावत कहलीं कि एहमें देस क नारी सक्ति क मजबूत प्रतिबिंब साफ तौर से देखाई देला।

****

केन्द्र सरकार बायो– मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर के मजबूत करे बदे बजट में बायो–फार्मा शक्ति योजना क प्रस्ताव रखले हौ। एकरे खातिर पांच बरिस में दस हजार करोड़ रूपिया क आवंटन कइल गइल बा। येह पहल क उद्देस्य जैविक आ जैव–समान दवाइयन क उत्पादन बदे भारत क इकोसिस्टम के मजबूत कइल हौ। एगो रिपोर्ट–

सरकार ने तीन नए राष्ट्रीय औसत शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों की स्थापना और सात मौजूदा संस्थान के उन्नयन के माध्यम से जैव औषधीय क्षेत्र पर कंद्रित नेटवर्क के विस्तार का प्रस्ताव रखा है। इसका उद्देश्य जैव औषधि अनुसंधान विकास विनिर्माण और विनियमन में उच्च विशिष्ट मानव संसाधनों की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करना है। इसके अलावा देशभर में एक हजार से अधिक मान्यता प्राप्त नैदानिक परिक्षण स्थलों के विकास के प्रस्ताव के साथ एक व्यापक नैदानिक अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण शामिल है। सरकार ने केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन– सीडीए की क्षमता बढ़ाने सहित जैविक दावाओं के लिए नियामक ढांचे को मजबूत करने की भी घोषणा की है। बजट में किए गए प्रयासों से भारत को वैश्विक जैव फार्मा बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए अधिक मजबूत आधार मिलेगा साथ ही घरेलू स्तर पर उन्नत और किफायती जैविक चिकित्साओं तक पहुंच में सुधार होगा। भानु प्रताप सिंह के साथ अमन यादव, आकाशवाणी समाचार दिल्ली।

****

गोरखपुर के सथहीं प्रदेस के कई जिलन में आजु दुपहरिया बाद कहीं–कहीं असमान में बादर छा गइल आ हल्लुकाहे बूंदाबादी आ बरखा क सिलसिला सुरू हो गइल। एहसे लोगि दिन में फेर से जाड़ा क एहसास कइलें। मौसम विभाग पूरबी उत्तर प्रदेस में आजु कुछु जगहिनि पर बरखा आ गरज–चमकि के साथे बौछार परले क सम्भावना जतवले हौ।

****